UN – 045

-20

III Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, November/December 2015
(Repeaters) (2014 – 15 Only)
LANGUAGE HINDI – III
Hindi Natak Aur Nibandh

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

ST. CLARET COLLEGE LIBRARY

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) भोला कौन है ?

2) होरी नाटक में गाँव का पण्डित कौन है ?

3) गोबर लखनऊ क्या करने गया था ?

4) होरी गाय के गले में क्या बाँधना चाहता है ?

5) धनिया ने किनको पाल-पोसकर बडा किया है ?

6) होरी को पंचायत में कितने मन अनाज पहुँचा देने के लिए कहा जाता है ?

7) गोबर की पत्नी का नाम क्या है ?

8) होरी के बीमार भाई का नाम बताइए।

9) गोबर शहर में रोज कितने रूपये कमाता था ?

10) 'होरी' नाटक के नाटककार कौन है ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(8×3=24)**

1) तुम तो ऐसी बाते करते हो जैसे हम तुम दो हों। तुम गाय ले जाओ, दाम जो चाहे देना। अस्सी रूपये में ली थी, चलो तुम अस्सी रूपए ही दे देना।

2) मेरा आसीरवाद नहीं है, बेटा। भगवान की दया है। यह सब प्रभु की दया है। रूपये नगद दिए ?

3) महाराज, तुम गवाह रहना। मैं इसे और इसके हत्यारे भाइयों को जेल भेजवाकर तब पानी पिऊँगी।

4) पंचो, हमारे पास जो कुछ है, वह अभी खलिहान में है। एक दाना भी घर में नहीं आया। जितना चाहे ले लो ....

5) मैं लडाई करने नहीं जा रहा हूँ, दादा डरो मत। मेरी ओर तो कानून है। मैं क्यों लडाई करने लगा।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(16×2 = 32)**

1) 'होरी' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) दातादीन और पटेश्वरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3) गोबर के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(7×2 = 14)**

1) हीरा।

2) दारोगा।

3) झुनिया।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **(10×1 = 10)**

1) आधुनिक जीवन शैली और स्वास्थ्य।

2) जनसंचार माध्यम।

VI. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करके शीर्षक दीजिए। **(1×10 = 10)**

कहा जाता है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। ज्यों-ज्यों मनुष्य की आवश्यकताएँ बढती जाती है, त्यों-त्यों मनुष्य उसकी पूर्ति के लिए तरह-तरह के नये उपाय सोचता है। तभी नये-नये आविष्कार होते हैं। इसलिए वर्तमान युग को वैज्ञानिक युग कहा जाता है। आज के वैज्ञानिक युग में जितने आविष्कार हुए हैं, उतने कभी नहीं हुए। प्राचीन और मध्यकाल में मनुष्यों की दृष्टि भौतिक उन्नति की ओर ध्यान दिया और धर्मशास्त्रों की सृष्टि की। आधुनिक युग में भौतिक समृद्धि की इच्छा के कारण भौतिक विज्ञान की भी उन्नति हुई। प्राचीन काल में मानव जीवन बडा ही सरल था, उसमें किसी भी तरह की जटिलता नहीं थी। भोजन और वस्त्र को छोडकर वे अन्य वस्तुओं की आवश्यकता का कम अनुभव करते थे। इन्हीं दो वस्तुओं को प्राप्त करने में उन्हें जिन-जिन साधनों की आवश्यकता पडी, उन्हीं के आविष्कार पहले-पहले किये गये।